विज्ञान आधारित पोषक तत्व एवं अन्य आदान प्रबंधन हेतु जागरूकता अभियान

दिनांक 23.04.2026, जोधपुर

विज्ञान आधारित पोषक तत्व एवं अन्य आदान प्रबंधन हेतु जागरूकता अभियान और मेरा गाँव मेरा गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी), क्षेत्रीय अनुसंधान स्थात्र, बीकानेर की टीम द्वारा बीकानेर जिले के पेमासर गांव के 37 किसानों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें संस्थान के अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) डॉ. नवरतन पंवार, डॉ. गोपल लाल बागड़ी प्रधान वैज्ञानिक (कृषि विस्तार), डॉ विजय सिंह राठौड़, प्रधान वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) एवम् डॉ. नारायण सिंह नाथावत, प्रधान वैज्ञानिक (पादप कार्यिकी) ने मिट्टी के संतुलित पोषण पर जोर देते हुए जैव उर्वरक, नैनो डीएपी (बीज उपचार द्वारा), ट्राईकोडर्मा, समृद्ध कम्पोस्ट एवं फोस्फो कम्पोस्ट बनाने के तरीके एवं उसके उपयोग से फसल उत्पादन में होने वाले फायदों को बताया। राजस्थान में बहुतायत से पाए जाने वाले निम्न गुणवत्ता वाले रॉक फॉस्फेट एवं पोटाशिक फेल्डस्पार के उपयोग से समृद्ध कम्पोस्ट बनाकर खेती में फोस्फोरस एवं पोटाश उर्वरकों के उपयोग में कमी करके पर्यावरण एवं मृदा स्वास्थ्य को अनुकूल बनाये रखा जा सकता हैं। इसके साथ-साथ वेस्ट डीकम्पोजर, हरी खाद एवम् समुचित जल प्रबंधन के साथ खरीफ फसलों के चयन पर जोर दिया ताकि विषम परिस्थिति में भी किसानों की फसल टिकाऊ बनी रहे। युरिया एवम् डीएपी उर्वरको की जगह एनपीक़े (19:19:19 इत्यादि) उर्वरक के साथ बोरोनेटेड एसएसपी एवं ज़िकेटेड एसएसपी के उपयोग का सुझाव दिया। बीकानेर जिले में भूमिगत लवणीय पानी के साथ में खेती के दौरान प्रबंधन में आने वाली विभिन्न समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने वर्तमान समय में जैविक खेती एवम् प्राकृतिक कृषि के विभिन्न आयामों के बारे में किसानों को अवगत करवाया । साथ ही इस प्रकार की पर्यावरण एवम् मानव स्वास्थ्य अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकियों को अधिक से अधिक अपनाने पर बल दिया। किसानों द्वारा बैठक में उत्सुकता के साथ भाग लेने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी किसानों का आभार एवम् धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सीताराम जाट (तकनीकी अधिकारी) द्वारा दिया गया।